FTSE सूचकांक में शामिल हुए भारतीय बॉण्ड

स्रोत: लाइवमिंट

हाल ही में FTSE **(फाइनेंशियल टाइम्स स्टॉक एक्सचेंज)** रसेल ने घोषणा की है कि वह सितंबर 2025 से भारत के **सॉवरेन बॉन्ड** को अपने इमर्जिंग मार्केट गवर्नमेंट बॉण्ड इंडेक्स (EMGBI) में शामिल करेगा।

परिचय:

- **FTSE रसेल (एक अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता), जेपी मॉर्गन** और ब्लूमबर्ग के बाद भारतीय बॉन्ड को अपने इमर्जिंग मार्केट बॉण्ड इंडेक्स में शामिल करने वाला तीसरा संगठन बन गया है।
    - EMGBI द्वारा **16 देशों के स्थानीय मुद्रा सरकारी बॉन्ड के प्रदर्शन पर नज़र रखी जाती है,** जो पोर्टफोलियो प्रबंधकों के लिये एक व्यापक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

भारत का प्रतिनिधित्व:

- तीन वर्षों तक FTSE की निगरानी सूची में रहने के बाद भारतीय सरकारी बॉन्ड अब EMGBI का **9.35% प्रतिनिधित्व करेंगे।**

भारत के बॉन्ड बाज़ार पर प्रभाव:

- इस समावेशन से **भारत के बॉन्ड बाज़ार में अरबों डॉलर का निवेश हो सकता है,** जिससे भारतीय बॉन्डों की मांग बढ़ेगी और निवेशकों की भावना में सुधार होगा।
- भारतीय बॉन्डों के तहत **लगभग 18.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है,** जो बढ़ती वैश्विक रुचि का संकेत है।

सरकारी बॉन्ड:

- यह **केंद्र या राज्य सरकारों** द्वारा जारी किया जाने वाला **एक व्यापार योग्य** ऋण साधन है।
- इसका उपयोग सरकार द्वारा अपने **राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिये लोगों से धन उधार** लेने के लिये किया जाता है।

और पढ़ें: भारतीय बॉण्ड का JP मॉर्गन GBI-EM सूचकांक में समावेश

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-bonds-join-ftse-index